पत्रिका

नेपा मिल की ओर से आयोजित हुई संवादात्मक कार्यशाला

साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद ज़रूरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कार्यशाला का हुआ आयोजन।

नेपानगर. केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा शुभारंभ किया।

सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति, सरकारे लाभ कमाने वाली कंपनियां, गैर लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मज़बूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद ज़रूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटाए पैसे और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

मुख्य वक्ता मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अभ्यास है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुंचना उसे बदलना या नष्ट करना, साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और सेवाओं को हैकर्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधियों के दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है।

कंपनियां फशिंग योजनाओं, रैंनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया है। आगे उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिर्फ मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डराए, धमका, तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें।

सूचना 1930 पर दे

संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। बातचीत को रिकॉर्ड करें या स्क्रीनशॉट ले। लुभावने वाले ऑफर वाले ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेम से बचे। सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें। फ्री के लालच और भय से दूर रखना सबसे कारगर उपाय हैं। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि साइबर स्वच्छता केन्द्र यबॉटनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र, भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानडे, उप प्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, बिजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, दिनेश सोवले, सुनील कुमार राव, आशुतोष मिश्रा, मुकेश चौहान, देवीदास लोखंडे, निलेश पाटिल, आदित्य तिवारी, गणेश दीक्षित, संगीता लाल, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, अंशुल मेहरा, सपना दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, शिव उमाले, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।

नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन का शुभारंभ

दैनिक खबरों की रोशनी जिला ब्यूरो चीफ रविंद्र इंगले बुरहानपुर। केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला काआै आयोजन किया गया। कार्यशाला का सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा शुभारंभ किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उपस्थित अफसर कर्मियों को संबोधित करते हुए सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति,सरकारें,लाभ कमाने वाली कंपनियाँ, गैर-लाभकारी संगठन

और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मज़बूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद ज़रूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटा, पैसे,और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं। मुख्य वक्ता,मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार,भारतीय राजस्व सेवा ने कार्यशाला में बिंदुवार विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम,नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अभ्यास है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुँचना,उसे बदलना या नष्ट करना; रैनसमवेयर के माध्यम से उपयोगकर्ताओं से पैसे ऐंठना या सामान्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बाधित करना होता है। साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और सेवाओं को हैकर्स,स्पैमर्स और साइबर अपराधियों के दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है। कंपनियाँ फ़िशिंग योजनाओं,रैनसमवेयर हमलों,पहचान की चोरी,डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया हैं। आगे उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिर्फ मन का डर है,जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डराए,धमकाए तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। किसी भी स्थिति में डिजिटल अरेस्ट से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह कानून में अपराध की श्रेणी में नहीं आता. डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी का एक तरीका है,इसमें ठग, पुलिस या कस्टम अधिकारी बनकर लोगों को धोखा देते हैं और पैसे वसूलते हैं। किसी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल या वीडियो कॉल पर भरोसा न करें। पुलिस,सीबीआई,ईडी जैसी एजेंसियां किसी को भी फोन करके डिजिटल अरेस्ट नहीं करतीं। किसी भी निजी जानकारी को अनजान नंबर से आने वाली कॉल पर साझा न करें। दबाव में पैसे ट्रांसफ़र न करें। संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। बातचीत को रिकॉर्ड करें या स्क्रीनशॉट लें। लुभावने वाले ऑफ़र वाले ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेम से बचें। सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें। फ्री के लालच और भय से दूर रखना सबसे कारगर उपाय हैं। जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार,भारतीय राजस्व सेवा द्वारा इस विशेष कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता केन्द्र (बॉटनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) तथा भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। दैनिक जीवन में डिजिटल मंचों पर सुरक्षित रहने के लिए निःशुल्क सुरक्षा उपकरणों जैसे कि अवास्ट फ्री एंटीवायरस, मालवेयरबाइट्स,वायरस स्कैनर,इत्यादिका स्मार्टफोन,लैपटॉप और कंप्यूटर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस दौरान प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानडे,उप प्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले,उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी,उप प्रबंधक इंस्ट्रूमेंटेशन विजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर,दिनेश सोवले,सुनील कुमार राव,आशुतोष मिश्रा,मुकेश चौहान,देवीदास लोखंडे,निलेश पाटिल,आदित्य तिवारी,गणेश दीक्षित,संगीता लाल,मोहम्मद इलियास सिद्दीकी,अंशुल मेहरा,सपना दुबे,अदिति मतलाने,मीत भट्ट,शिव उमाले,सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।

स्वदेश

खंडवा - मुख्य संस्करण

Date 3 Mar 2025

नेपा लिमिटेड में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता पर कार्यशाला का आयोजन

स्वदेश समाचार ■ बुरहानपुर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर चुनौती है। व्यक्ति, सरकारें, कंपनियाँ और संस्थान सभी साइबर हमलों एवं डेटा उल्लंघनों के खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि मज़बूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता अपनाकर हम अपने डेटा,

दैनिक भास्कर
बुरहानपुर 03-03-2025

कार्यक्रम • नेपा मिल के प्रशासनिक भवन में हुई साइबर सुरक्षा, स्वच्छता कार्यशाला

साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या : सीएमडी

भास्कर संवाददाता | नेपानगर

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला हुई। शुभारंभ सीएमडी राकेश कुमार चोखानी ने किया। उन्होंने कहा- साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है। व्यक्ति, सरकारें, लाभ कमाने वाली कंपनियां, गैर लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटा, पैसे और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं। जनसंपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता केन्द्र बॉटनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता व मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार भारतीय राजस्व सेवा ने कार्यशाला में बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अभ्यास है। कार्यशाला में प्रबंधक कार्मिक व प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानड़े, उपप्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले, उपप्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, उपप्रबंधक इंस्ट्रूमेंटेशन बिजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, दिनेश सोवले, सुनील कुमार राव, आशुतोष मिश्रा, मुकेश चौहान, देवीदास लोखंडे, निलेश पाटिल, आदित्य तिवारी, गणेश दीक्षित, संगीता लाल, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, अंशुल मेहरा, सपना दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, शिव उमाले, सुशील चौहान मौजूद थे।

नेपा मिल प्रशासनिक भवन में कार्यशाला हुई।

सतर्क रहकर ही बच सकते हैं साइबर अपराध से

कंपनियां फिशिंग योजनाओं, रैनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया है। आगे उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिर्फ मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डराए, धमकाए तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है।

दैनिक आगाज़ इंडिया इंदौर, सोमवार-03 मार्च, 2025 8 प्रदेश

नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन

नेपानगर-आगाज़ इंडिया-संदीप डाहाट

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम नेपा लिमिटेड के प्रशासनिक भवन में साइबर सुरक्षा और स्वच्छता विषय पर एक संवादात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का सीएमडी राकेश कुमार चोखानी द्वारा शुभारंभ किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में उपस्थित अफसर कर्मियों को संबोधित करते हुए सीएमडी चोखानी ने कहा कि साइबर अपराध आज के दौर की एक गंभीर समस्या है।

व्यक्ति, सरकारें, लाभ कमाने वाली कंपनियाँ, गैर-लाभकारी संगठन और शैक्षणिक संस्थान सभी साइबर हमलों और डेटा उल्लंघनों के जोखिम पर हैं। साइबर अपराधों से निपटने के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा और स्वच्छता बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा और स्वच्छता से हम अपने डेटा, पैसे, और निजी जानकारी को सुरक्षित रख सकते हैं।

मुख्य वक्ता, मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा ने कार्यशाला में बिंदुवार विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि साइबर सुरक्षा डिजिटल हमलों से सिस्टम, नेटवर्क और प्रोग्राम की सुरक्षा करने का अभ्यास है। इन साइबर हमलों का उद्देश्य आमतौर पर संवेदनशील जानकारी तक पहुँचना, उसे बदलना या नष्ट करना; रैनसमवेयर के माध्यम से उपयोगकर्ताओं से पैसे ऐंठना; या सामान्य व्यावसायिक प्रक्रियाओं को बाधित करना होता है।

साइबर सुरक्षा इंटरनेट से जुड़े उपकरणों और सेवाओं को हैकर्स, स्पैमर्स और साइबर अपराधियों के दुर्भावनापूर्ण हमलों से बचाने के लिए की जाने वाली सुरक्षा है। कंपनियाँ फ़िशिंग योजनाओं,

रैनसमवेयर हमलों, पहचान की चोरी, डेटा उल्लंघनों और वित्तीय नुकसानों से बचाव के लिए आज के आधुनिक और डिजिटल युग में सायबर सुरक्षा और स्वच्छता का अभ्यास अत्यावश्यक हो गया हैं। आगे उन्होंने बताया कि डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई चीज नहीं है। यह सिर्फ मन का डर है, जिसका फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। कोई भी अनजान व्यक्ति फोन कर डराए, धमकाए तो घबराएं नहीं। उसकी कॉल काटकर तत्काल पुलिस की मदद लें। कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सतर्कता आवश्यक है। किसी भी स्थिति में डिजिटल अरेस्ट से डरना नहीं चाहिए क्योंकि यह कानून में अपराध की श्रेणी में नहीं आता. डिजिटल अरेस्ट, साइबर ठगी का एक तरीका है. इसमें ठग, पुलिस या कस्टम अधिकारी बनकर लोगों को धोखा देते हैं और पैसे वसूलते हैं।

किसी भी अनजान नंबर से आने वाली कॉल या वीडियो कॉल पर भरोसा न करें। पुलिस, सीबीआई, ईडी जैसी एजेंसियां किसी को भी फोन करके डिजिटल अरेस्ट नहीं करतीं। किसी भी निजी जानकारी को अनजान नंबर से आने वाली कॉल पर साझा न करें। दबाव में पैसे ट्रांसफर न करें। संदिग्ध कॉल की सूचना तुरंत साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। बातचीत को रिकॉर्ड करें या स्क्रीनशॉट लें। लुभावने वाले ऑफर वाले ट्रेडिंग और ऑनलाइन गेम से बचें। सोशल मीडिया पर भी ध्यान रखें। फ्री के लालच और भय से दूर रखना सबसे कारगर उपाय हैं।

जन संपर्क अधिकारी संदीप ठाकरे ने बताया कि नेपा लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी विनीत कुमार, भारतीय राजस्व सेवा द्वारा इस विशेष कार्यशाला में नेपा लिमिटेड के अधिकारियों और कर्मचारियों को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के तहत भारत सरकार द्वारा संचालित साइबर स्वच्छता केन्द्र (बॉटनेट क्लीनिंग और मैलवेयर विश्लेषण केंद्र) तथा भारत सरकार की राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

दैनिक जीवन में डिजिटल मंचों पर सुरक्षित रहने के लिए निःशुल्क सुरक्षा उपकरणों जैसे कि अवास्ट फ्री एंटीवायरस, मालवेयरबाइट्स, वायरस स्कैनर, इत्यादिका स्मार्टफोन, लैपटॉप और कंप्यूटर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

इस दौरान प्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन महेंद्र केशरी, प्रबंधक सतर्कता संजीव कानड़े, उप प्रबंधक पावर हाउस सुधीर पटले, उप प्रबंधक अनुरक्षण विजेंद्र चौधरी, उप प्रबंधक इंस्ट्रूमेंटेशन बिजेंद्र यादव, दीपक सिंह ठाकुर, दिनेश सोवले, सुनील कुमार राव, आशुतोष मिश्रा, मुकेश चौहान, देवीदास लोखंडे, निलेश पाटिल, आदित्य तिवारी, गणेश दीक्षित, संगीता लाल, मोहम्मद इलियास सिद्दीकी, अंशुल मेहरा, सपना दुबे, अदिति मतलाने, मीत भट्ट, शिव उमाले, सुशील चौहान आदि उपस्थित थे।